एक नजर में

हिन्दू जनजागृति समिति का गुरुपूर्णिमा महोत्सव

इंदौर . गुरुपूर्णिमा महोत्सव में हिंदू जनजागृति समिति, मध्यप्रदेश के सहसेवक श्रीराम काणे ने कहा की - आज संपूर्ण विश्व तृतीय विश्वयुद्ध की ओर अग्रसर हो रहा है . देश के भीतर भी पहलगाम जैसे हालात, दंगे, फेक नैरेटिव, लव जिहाद, लैंड जिहाद आदि के माध्यम से हिन्दुओं को लक्ष्य बनाया जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में हिन्दू समाज में भ्रम की स्थिति है . महाभारत के समय अर्जुन भी इसी भ्रम में था, तब श्रीकृष्ण ने कहा था अधर्म के विरुद्ध संघर्ष करना ही धर्म है . साधना करके अपने भीतर ब्राह्मतेज और अधर्म के विरुद्ध युद्ध करने हेतु अपने भीतर क्षात्रतेज जागृत करना ही गुरुतत्त्व को अपेक्षित है। यही हमारी गुरु-शिष्य परंपरा का आदर्श है और उसी मार्ग पर चलना ही सच्ची गुरुदक्षिणा है . कार्यक्रम में 400 से अधिक युवाओं को स्वरक्षा प्रशिक्षण देनेवाले युवा अधिवक्ता दिनेश सिंह चौहान का विशेष सत्कार किया गया . संतों के संदेश का वाचन, पोंडा, गोवा में हुवे सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव के लघु चलचित्र द्वारा जनजागृति की गई .

विश्वनाथ धाम पर आज 10 हजार पौधों का रोपण

इंदौर . शहर में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्री भारतीय संस्कृति शिक्षा संस्थान (विश्वनाथ धाम), हार्टफुलनेस संस्थान एवं मानव सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 13 जुलाई को वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है . यह कार्यक्रम सांवेर रोड स्थित विश्वनाथ धाम परिसर में प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगा . कार्यक्रम की शुरुआत 51 वेदपाठी विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक मन्त्रोच्चार के साथ मियावाकी पद्धति से सघन पौधारोपण किया जाएगा . दोपहर में प्रतिभागियों के लिए भोजन की व्यवस्था भी रहेगी . आयोजन में हार्टफुलनेस संस्थान के साथ श्री मानव सेवा ट्रस्ट, नगर निगम इंदौर सहित कई संस्थाएं सहयोग कर रही हैं . आयोजन समिति के प्रमुख संयोजक रमाकांत अग्रवाल, ट्रस्टी सुभाष गोयल, मुकेश कचौलिया , पंकज मित्तल एवं धीरेन पटेल ने बताया कि नगर निगम, इंदौर द्वारा इस अभियान के लिए 10,000 पौधे नि :शुल्क उपलब्ध कराए गए हैं . यह कार्यक्रम केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें सत्संग, गौसंस्थान गेम्स, योग प्रदर्शन, सांस्कृतिक गतिविधियां एवं पारिवारिक मेल-मिलाप को मिलाकर एक मनोरंजक पिकनिक पार्टी का रूप दिया गया है किया गया है . आयोजकों ने शहरवासियों एवं सामाजिक संस्थाओं से अनुरोध किया है कि वे अपने परिवार व मित्रों सहित इस सर्व जन हिताय सर्वजन सुखाय के लक्ष्य को सार्थक करते हुए सेवा कार्य में सहभागी बनें .

इंद्रेश्वर मंदिर में बारिश के लिए अभिषेक

इंदौर . मालवा एवं इंदौर अंचल में सुखद वर्षा की कामना से नंदिनी महिला सेवा संस्थान की ओर से शहर के 4 हजार वर्ष प्राचीन इंद्रेश्वर महादेव मंदिर पर विधायक गोलू शुक्ला के आतिथ्य में अभिषेक-आरती के पश्चात गंगाजल समर्पित किया गया . संस्थान की अध्यक्ष राजना ताई, संयोजक संदीप गोयल आटो ने बताया कि इस अवसर पर राहुल गोयल, रीतेश विरांग, दिनेश वर्मा, बंटी वर्मा, पार्षद रूपाली पैठनकर, पं . जयंत पुरी, ललित वर्मा, ज्ञानी बाबा, जग्गू नेता सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भगवान वरुण एवं इंद्रदेवता से सुखद वर्षा के लिए प्रार्थना की . इंद्रेश्वर महादेव मंदिर पर देवी अहिल्याबाई भी सूखे की स्थिति में पहुंचकर पूजा-अर्चना करती थी और उनकी प्रार्थना हमेशा सफल होती थी . आज सैकड़ों भक्तों ने विधायक शुक्ला के साथ पूजन एवं आरती अभिषेक कर अपना अनुष्ठान पूरा किया .

प्रकृति से जुड़ने का दिया संदेश

इंदौर . शहर को हरा-भरा बनाने की दिशा में मिर्ची ने शुरू किया एक विशेष अभियान मिर्ची ग्रीन योद्धा . एक महीने तक चलने वाला यह वृक्षारोपण अभियान शहर की विभिन्न कॉलोनियों में आयोजित किया गया और इसका समापन रविवार को रॉयल अमर ग्रीन्स, बायपास रोड पर किया गया . इस अवसर पर कॉलोनी के सभी रहवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाया . मिर्ची आरजेज़ ने रहवासियों के साथ मिलकर पौधे लगाए और लोगों को प्रकृति से जुड़ने का संदेश दिया . बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक, सभी ने इस पहल में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और ढेर सारे पौधे लगाए, जो आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र को और अधिक हरा-भरा बनाएंगे .

मानसून मसाला फूड फेस्टिवल शुरू

इंदौर . बारिश की रिमझिम बूंदों और ठंडी हवाओं के बीच जब मौसम में एक खास सी खुशबू घुलती है, तो दिल को सुकून देने वाले गरमागरम भारतीय व्यंजन और भी याद आने लगते हैं . इसी मौसम के स्वाद को खास बनाने के लिए द पार्क के 'एपिसेंटर' रेस्त्रां में इन दिनों 'मानसून मसाला' नामक एक विशेष क्षेत्रीय फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया है। यह फेस्टिवल 9 अगस्त तक चलेगा, जिसमें हर सप्ताह देश के चार प्रमुख राज्यों उत्तर प्रदेश (बनारस), महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तराखंड के पारंपरिक स्वादों और रेसिपीज़ को एक नई पहचान दी जा रही है . इस आयोजन पर द पार्क के एग्ज़ीक्यूटिव शेफ संतोष यादव ने कहा, मानसून मसाला फेस्टिवल का उद्देश्य है हर सप्ताह एक नए राज्य का असली स्वाद और संस्कृति लोगों तक पहुंचाना . हर व्यंजन को उसकी पारंपरिक शैली, स्थानीय मसालों और खास प्रस्तुति के साथ परोसा गया है - चाहे वह बनारस की नीमोना हो या महाराष्ट्र की सावजी ग्रेवी, गुजरात की मूठिया हो या उत्तराखंड की अक्तोरी . फेस्टिवल की शुरुआत बनारसी व्यंजनों से हुई है, जिसमें नीमोना, भरवां आलू बनारसी, पनीर हांडी लज़ीज़, गुलाटी और शाही टुकड़ा जैसे व्यंजन खास आकर्षण हैं . दूसरे सप्ताह में महाराष्ट्र की पारंपरिक रसोई से व्यंजन सामने आएँगे . तीसरे सप्ताह गुजरात के जायके छाए रहेंगे . चौथे सप्ताह उत्तराखंड की थाली से पहाड़ी स्वाद होंगे . फूड एंड बेवरेज डायरेक्टर सुदीप कांजीलाल ने कहा, यह सिर्फ एक फूड फेस्टिवल नहीं, बल्कि भारत की विविध पाक विरासत का उत्सव है। हर थाली में हमने संबंधित राज्य की पारंपरिक चटनियाँ, अचार, स्ट्रीट फूड और मिठाइयों को भी शामिल किया है।

फेडरेशन की राष्ट्रीय कांफ्रेंस शत्रुंजय महातीर्थ पालीताणा में

इंदौर . अभा जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप्स फेडरेशन (रजि .) की 15 वी राष्ट्रीय कांफ्रेंस शाश्वत जैन शत्रुंजय महातीर्थ पालीताणा (गुजरात) पर तीन दिवसीय 12, 13 और 14 सितम्बर को आयोजित होगी . उक्त जानकारी फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिनेश्वर जैन ने दी . श्री जैन ने बताया कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश भटेवरा, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सी .ए .नरेंद्र भंडारी, कांता बांठिया और राष्ट्रीय चेयरमैन प्रभात चोपड़ा द्वारा दादा आदिनाथ के चरणों में श्रीफल अर्पित कर पालीताणा तीर्थ पर आज यह घोषणा की गई . कॉन्फ्रेंस में 160 सोश्यल ग्रुपो के 2500 सदस्य भाग लेंगे . कॉन्फ्रेंस के लिए रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो गया है . इस घोषणा से देश के समस्त ग्रुपों में हर्ष की लहर दौड़ गई .

जीवन रेखा सड़क के 18 जर्जर मकान तोड़े

नगर निगम ने की रिमूवल कारवाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम द्वारा आज जीवन रेखा सड़क मार्ग पर 18 जर्जर मकान हटाने की कार्रवाई की गई. कार्रवाई के दौरान 18 खतरनाक मकान पर पोक लैंड से जर्जर निर्माण तोड़े गए. उक्त मकान जवाहर मार्ग से चंद्र भागा तक सड़क चौड़ी करने में बाधक भी थे.

आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देश पर शहर में जर्जर व खतरनाक मकानों पर जनहित में रिमूवल की कारवाई लगातार जारी है. इसी कड़ी में आज नगर निगम रिमूवल अमले ने साउथ तोड़ा जीवन रेखा सड़क पर 18 खतरनाक और जर्जर मकानों पर रिमूवल कारवाई की. निगम झोन 11 के भवन अधिकारी गीतेश तिवारी एवं भवन निरीक्षक जीशान चिश्ती ने बताया कि जोन 11 अंतर्गत जीवन रेखा मार्ग साउथ तोड़ा पर 18 खतरनाक/ जर्जर भवन को हटाने की कार्रवाई के तहत मोहम्मद आसिफ,मोहम्मद अख्तर , मोहम्मद रफीक , मोहम्मद शहीद , अब्दुल रहिम, मेंहदी हसन , शेख नजीर, मार्तण्ड राव काले, अशफाक हुसैन , गबरु बी पति मोहम्मद अंसारी , अब्दुल राजिक अंसारी , अब्दुल अजीम अंसारी, अब्दुल अजीज अंसारी, अख्तर बी अंसारी, अंजुमन कमेटी, डॉ. हन्नू अंसारी , मोहम्मद शहजाद, मोहम्मद आजम, मोहम्मद अकरम पिता अब्दुल हमीद एंव अन्य के जर्जर एवं खतरनाक मकान तोड़े गए है.

2 पोकलेन और 4 जेसीबी का उपयोग

रिमूवल काफी ऊंचाई पर होने से 2 पोकलेन और 4 जेसीबी का उपयोग किया गया . उक्त कार्यवाही के दौरान अपर आयुक्त रोहित सिसोनियां , भवन अधिकारी गीतेश तिवारी, भवन निरीक्षक जिशान चिश्ती, प्रभारी रिमूवल बबलू कल्याण जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी तथा निगम का रिमूवल अमला मौजूद था।

इज़राइल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे महापौर

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'मुनी वर्ल्ड 2025' में भाग लेंगे

नव भारत न्यूज

इंदौर. महापौर इज़राइल में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'मुनी वर्ल्ड 2025' में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. 15,16,17 जुलाई को आयोजित तीन दिवसीय आयोजन में दुनिया भर के महापौर, वरिष्ठ अधिकारी और नगरीय प्रशासन से जुड़े प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे.

महापौर पुष्यमित्र भार्गव चुनिंदा महापौर के साथ भारतीय प्रतिनिधिमंडल में भाग लेने छिंदवाड़ा महापौर सम्मेलन को पूर्ण कर इज़राइल रवाना होंगे. उन्होंने बताया कि सम्मेलन के दौरान वे स्मार्ट सिटी, नवाचार, शहरी विकास और नगरीय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे. उन्होंने कहा कि इज़राइल का जल संरक्षण मॉडल विश्व में अग्रणी और अत्याधुनिक है, इसीलिए सम्मेलन के दौरान वे जल संरक्षण के क्षेत्र में विशेष चर्चा और सहयोग की संभावनाओं पर तफ्तीश करेंगे. महापौर भार्गव ने कहा कि सम्मेलन में शहरी विकास मॉडल और भारत की नगरीय क्षमताओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा. यह सम्मेलन वैश्विक नवाचारों को साझा करने, नगरीय चुनौतियों पर चर्चा करने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जा रहा है.

राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किए शोध पत्र

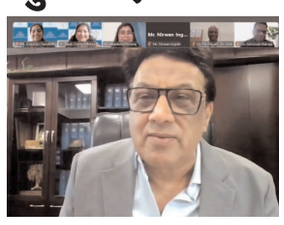

इंदौर. श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. योगेश चंद्र गोस्वामी के मार्गदर्शन में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी न्यायार्थ-2025 का आयोजन किया गया. लॉ, लैंग्वेज एंड फॉरेंसिक साइंस: ए सिनर्जीस्टिक एप्रोच टू जस्टिस विषय पर केंद्रित इस संगोष्ठी का उद्देश्य विधि, भाषा एवं फॉरेंसिक विज्ञान के अंतर्संबंधों को न्यायिक प्रणाली के परिप्रेक्ष्य में समझना एवं शोध को प्रोत्साहित करना रहा.

संगोष्ठी का आयोजन श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ एवं श्री वैष्णव फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसके संयोजक डॉ. तारक नाथ प्रसाद निदेशक, लॉ संस्थान एवं डॉ. स्वाति दुबे मिश्रा समन्वयक , फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान रहे. उद्घाटन सत्र में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली के कुलपति डॉ. जी. एस. बाजपेयी ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्बोधन दिया. प्रमुख तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. अरविंद तिवारी, डीन एवं निदेशक, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज़, मुंबई ने की. वहीं डॉ. (मेजर) प्रमोद बगाली, सीईओ वीटी चेयरमेन ग्रुप, मलेशिया ने वर्चुल ऑटोप्सी विषय पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया. संगोष्ठी में देशभर के 143 से अधिक प्रतिभागियों शोधार्थियों, शिक्षकों एवं विशेषज्ञों ने सहभागिता की. आयोजित 9 तकनीकी सत्रों में फॉरेंसिक भाषाविज्ञान, साइबर अपराध, साक्ष्य-आधारित न्याय, एवं विधिक सुधारों जैसे समसामयिक विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए गए. समापन सत्र में प्रतिभागियों द्वारा फीडबैक साझा किया गया एवं कुलपति डॉ. गोस्वामी द्वारा विजेताओं की घोषणा की गई. इस संगोष्ठी के सफल आयोजन में समन्वयक जागृति गुप्ता लॉ संस्थान, आकांक्षा सुराना लॉ संस्थान, एवं अश्वथी चंद्रन नायर फॉरेंसिक साइंस संस्थान का योगदान रहा.

मानवीय रिश्तों की धूप-छांव पर टिका एक अप्रतिम मंचीय सृजन

सानंद न्यास के मंच पर मराठी नाटक सुर्याची पिल्ले का धमाल

कथानक

नाटक सूर्याची पिल्ले' (सूरज की संतानें) पारिवारिक संबंधों की जटिलता, पीढ़ियों के टकराव और मानवीय स्वभाव के विविध पहलुओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता है . यह नाटक मुख्य रूप से एक ऐसे परिवार की कहानी है, जिसमें पिता और बच्चों के रिश्तों में तनाव और आपसी अपेक्षाओं का संघर्ष केंद्र में है . सूर्य यानी पिता, जो चाहता है कि उसके बच्चे (पिल्ले) उसी की रोशनी में, उसके बनाए नियमों के अनुसार विकसित हों . लेकिन ये संतानें अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने और अपनी राह खोजने के लिए संघर्ष करती हैं . इसी खींचतान से रिश्तों में कड़वाहट, गलतफहमियां और टकराव पैदा होते हैं .

नवभारत न्यूज

इन्दौर. सानंद न्यास के पांच दर्शक समूहों के लिये माईलस्टोन धमाल नाटक सूर्याची पिल्ले का मंचन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में हुआ। मराठी रंगभूमी के सुनहरे दिन जिन प्रमुख लेखको ने समृध्द किए उनमें वसंत कानेटकर का नाम सम्मान से लिया जाता है. इस वर्ष उनका जन्म शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है.

बहरहाल, प्रस्तुत नाटक सूर्याचे पिल्ले में इतने सारे सुपरस्टार कलाकारों को देखना भी सानंद दर्शकों के लिये अविस्मरणीय अनुभव रहा। दरअसल, सूर्याची पिल्ले जैसी दर्जेदार कलाकृती को पुन: रंगमंच पर लाने का रसिक दर्शकों को इंतजार था, इस इंतजार को समाप्त करने का श्रेय निर्माता अभिनेता सुनील बर्वे को जाता है. नाटक सूर्यची पिल्ले को महाराष्ट्र में खूब लोकप्रिय मिली है. इंदौर के रसिक प्रेक्षकों ने भी इस नाटक को पसंद किया है। इतने अनुभवी और प्रतिभाशाली कलाकारों को एक मंच पर प्रस्तुत करना दिग्दर्शक प्रतिभा कुलकर्णी की सफलता है. उन्होंने इस नाटक को नए तरीके से प्रस्तुत किया है. उनके कल्पनाशील निर्देशन की भी प्रशंसा होती रही. सभी कलाकार प्रतिभाशाली और अनुभवी है इसलिए उन्होंने अत्यंत मंझा हुआ अभिनय किया है. बैकस्टेज आर्टिस्ट्स ने भी कमाल की क्रिएटिविटी दिखाई है.

लंबे अरसे के बाद सानंद न्यास के मंच पर तीन अंकी नाटक प्रस्तुत हुआ है. दरअसल, सूर्याची पिल्ले नाटक केवल रंगमंच का एक प्रस्तुतीकरण नहीं है, यह एक गूढ़ आत्मदर्शन है. यह नाटक हमें बताता है कि संबंधों की गर्मी कभी-कभी झुलसा भी सकती है, यदि उसमें स्वतंत्रता की छाया न हो. यह एक ऐसा नाटक है, जो दर्शकों के भीतर जीवित रहता है- प्रश्नों के रूप में, स्मृतियों के रूप में और आत्ममंथन के रूप में. सानंद न्यास के अध्यक्ष जयंत भिसे एवं मानद् सचिव संजीव वावीकर ने बताया कि नाटक सूर्याची पिल्ले के रविवार को दो शो होंगे. रविवार को वसंत समूह के लिये अपराह्न 3.30 बजे एवं सायं 7.30 बजे बहार समूह के लिये होगा.

मांसपेशियों के संतुलन के बिगड़ने से पहले उसका निदान जरूरी

फिजियोथेरिपिस्ट और आस्टोपैथी की वर्कशॉप शुरु

इंदौर. जब मानव शरीर की मॉसपेशियों का अलाइमेंट् बिगड़ जाता तो उस हिस्से में एकाएक तनाव बढ़ जाता है और दर्द होने लगता है. यह समस्या आगे चलकर स्लीप डिस्क, जोड़ो का दर्द, कमर दर्द, सायटिका आदि बीमारी का रूप ले लेती है. अगर समय पर निदान करा लिया जाय तो हम एक बड़े संकट से बच सकते है.

यह बात देहरादून के फिजियोथेरिपिस्ट और आस्टोपैथ डॉ. मनीष अरोड़ा ने कहे. वे फिजियोथेरिपिस्ट की वर्कशॉप में मुख्य वक्ता बतोर उपस्थित थे. डॉ. अरोड़ा ने आगे कहा कि देश में फिजियोथेरिपिस्ट अधिक होते हैं जबकि विदेशों में आस्टोपैथ. आस्टोपैथी एक ऐसी चिकित्सा पध्दति हैं जिसमें विभिन्न प्रकार की बीमारियों का ईलाज सम्भव हैं। इस चिकित्सा पध्दति की उपयोगिता अब भारत में भी बढती जा रही हैं. वरिष्ठ फिजियोथेरिपिस्ट डॉ. महेश साहू ने कहा कि इस वर्कशॉप में फिजियोथेरेपी की नयी चिकित्सा पध्दति के बारे में बताया जा रहा हैं. वर्कशॉप में देश के विभिन्न स्थानों से 35 फिजियोथेरिपिस्ट और आस्टोपैथ भाग ले रहे हैं. प्रवीण जोशी ने बताया कि वर्कशॉप में पहले दिन कमर दर्द, घुटने का दर्द, माईग्रेन ,साईटिका, फ्रोजन शोल्डर घुटने के दर्द के मामले अधिक आए. फिजियोथेरिपी की इस 2 दिवसीय वर्कशॉप में सभी प्रतिभागी अपने अनुभव एक दूसरे को शेयर कर रहें हैं.

समस्या को नजरअंदाज न करें

फिजियोथेरिपिस्ट एवं आस्टोपैथ डॉ . मधुलिका सेठिया भंडारी ने कहा कि स्लीप डिस्क, आस्टियोपोरोसिस, साईटिका, शोल्डर फ्रोजन जैसी बीमारियों का इलाज अब क्रोप्रेक्टिक चिकित्सा पध्दति से किया जा रहा हैं . इसमें पेट से सम्बन्धित बीमारियों से लेकर बोलने में आ रही समस्याओं तक का ईलाज सम्भव हैं . डॉ . मधुलिका सेठिया भंडारी ने कहा कि शरीर में जब भी कोई शारीरिक समस्या उत्पन्न होती हैं तो उसके संकेत मिलने शुरु हो जाते हैं . जिसे हम अलार्म कह सकते हैं, यह कंपनसेशन आगे चलकर दर्द और एक दिन बड़ी बिमारी का रुप ले लेता हैं . इसलिए इसको इग्नोर करना सही नहीं हैं। वर्कशॉप में फिजियोथेरिपिस्ट डॉ . नीरज नागर, डॉ . भानू उदय शांडिल्ये, डॉ . पूजा गोयल, डॉ . कृष्णा जलोनिया, ने भी अपने विचार रखें .

पुलिस की सायबर पाठशाला में छात्र हुए जागरूक

इंदौर . साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया . कोचिंग क्लास में आयोजित इस सत्र में करीब 250 प्रतियोगी छात्रों को सायबर फ्रॉड के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई .

कार्यशाला का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त क्राईम राजेश दंडोतिया ने किया . उन्होंने बताया कि आज की डिजिटल दुनिया में सावधानी और सतर्कता ही साइबर सुरक्षा की सबसे बड़ी कुंजी है . ऑनलाइन लेन-देन, सोशल मीडिया गतिविधियों और मोबाइल ऐप्स के उपयोग में लापरवाही सायबर अपराधियों को मौका देती है . उन्होंने छात्रों को सायबर अपराध की स्थिति में हेल्पलाइन 1930, वेबसाइट या इंदौर पुलिस की साइबर हेल्पलाइन 7049124445 पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया भी समझाई . दंडोतिया ने कहा कि युवाओं को चाहिए कि वे पढ़ाई के साथ-साथ डिजिटल सतर्कता को भी अपनी आदत में शामिल करें . फर्जी कॉल्स, आकर्षक ट्रेडिंग ऑफर, ऑनलाइन गेम और सोशल मीडिया फ्रॉड से दूर रहते हुए अपनी निजी जानकारी गोपनीय रखें . पुलिस टीम ने इस मौके पर छात्रों को साइबर अवेयरनेस पंपलेट्स और स्टिकर्स भी वितरित किए, साथ ही उन्हें अपने परिवार व मित्रों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया . कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को साइबर अपराधों के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें तकनीकी धोखाधड़ी से बचाना रहा .

सफलता पाने के लिए विनम्रता जरूरी : विश्वरत्न सागर

नवभारत न्यूज

इंदौर, अहंकार, अभिमान, घमंड और अकड़ जैसे अवगुण मनुष्य को पतन के मार्ग पर ले जाते हैं. भगवान महावीर स्वामी ने जीवन के अंतिम संदेश में उत्तराध्ययन सूत्र में सबसे पहले जिस शब्द का प्रयोग किया, वह है 'नमो'। 'नमो' अर्थात नमन, नमना, झुकना. जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता पाने के लिए विनम्रता जरूरी है. जिसने झुकना सीख लिया, वह जीवन में कहीं नहीं हार सकता. झुकने वाला जीवनभर के लिए दूसरों को अपना बना लेता है. सफलता का पहला सूत्र है विनय, विनम्रता और झुकना. धर्म, संस्कार और सेवा की पहली सीढ़ी विनम्रता ही है. इन सदगुणों के बिना अपने लक्ष्य, मंजिल और शिखर तक पहुंचना किसी के भी लिए संभव नहीं है।

एयरपोर्ट रोड, नरसिंह वाटिका पर अर्बुद गिरिराज जैन श्वेताम्बर तपागच्छ उपाश्रय ट्रस्ट पीपली बाजार, जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ एवं नवरत्न परिवार इंदौर के तत्वावधान में चल रहे चातुर्मासिक अनुष्ठान में युवा हृदय सम्राट जैनाचार्य विश्वरत्न सागर ने शनिवार को उत्तराध्ययन सूत्र पर आधारित महावीर कथा के शुभारंभ सत्र में उक्त दिव्य बातें कही. नरसिंह वाटिका पर आज से महावीर स्वामी की अंतिम देशना पर आधारित उस ग्रंथ की विवेचना का शुभारंभ हुआ, जिसकी रचना उन्होंने अंतिम संदेश के रूप में की है. इस ग्रंथ का पहला अध्याय है - विनय सूत्र. धर्मसभा में ग्रंथ बोहराने का लाभ बादलदेवी टोडरमल कटारिया परिवार ने लिया. ज्ञान पूजा के लाभार्थी दिलसुखराज कटारिया, अचलाचंद खूबचंद मिर्चीवाला, सुभाष कांग्रेसा, महेश मुकेश कुमार एवं जयंतीलाल प्रवीण श्रीमाल परिवार रहे,. समाजबंधुओं की अगवानी अध्यक्ष पारस बोहरा, शेखर गेलड़ा, अंकित मारू, रितीश आशीष जैन, मोनीश खुबाजी एवं ऋषभ कोचर ने की.

आज 'संबंधों की डोर' पर विशेष व्याख्यान

आयोजन समिति के मनीष सुराना, प्रीतेश ओस्तवाल एवं पुण्यपाल सुराना ने बताया कि नरसिंह वाटिका में मालवांचल के अनेक शहरों, कस्बों के समाजबंधु भी धर्मलाभ लेने आ रहे हैं . रविवार को सुबह 9 बजे से 'संबंधों की डोर' विषय पर आचार्यश्री विश्वरत्न सागर के सानिध्य में विद्वान वक्ता घर-परिवार के रिश्तों को सहेजने-संवारने और मजबूत बनाने के सरल सूत्र बताएंगे . आयोजन से जुड़े ललित सी . जैन, कैलाश नाहर, दीपक सुराना एवं शैलेन्द्र नाहर ने बताया कि उत्तराध्ययन सूत्र की विवेचना करते हुए मुनिप्रवर उत्तमरत्न सागर म .सा . ने कहा कि संसार में मांगने पर कम, लेकिन बिना मांगे ज्यादा मिलता है . हम इंटरनेशनल मांगीलाल बनकर हर जगह मांगने में माहिर बने हुए हैं . मंदिर जाने पर भी मांगते ही रहते हैं

कार्यक्रम तुलसी परिवार की मेजबानी में आयोजित गुरू पूर्णिमा महोत्सव में उमड़ी साधकों की श्रद्धालुों की भीड़

भगवान कृपा के लिए बैठे, लेकिन जीव मोह की निंद्रा में डूबा : किरीट भाई

इंदौर. हमने अब तक किसी भी क्षेत्र में जो कुछ भी किया है, वह अधूरा ही था. यह अधूरापन ही हमें आगे बढ़ने और परिपूर्णता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है. काम, क्रोध, लोभ जैसे तीन ऐसे शत्रु हैं, जो मनुष्य को कहीं न कहीं से घेर लेते हैं. भगवान ने तो हम सबको खुला आमंत्रण दिया हुआ है कि आओ और इन सारे अवगुणों से मुक्त हो जाओ, लेकिन जीव सोया हुआ है. भगवान तो कृपा करने के लिए ही बैठे हैं, लेकिन जीव मोह की निंद्रा में डूबा हुआ है. हम सब परमात्मा के प्रति कृतज्ञ हैं, जिन्होंने ज्ञान रूपी दीप प्रकाशित किया, महापुरुषों ने हमारे जीवन को सत्य की राह पर दौड़ाया या मोड़ा और हमें इतना विवेकवान बनाया कि हम अपने माता-पिता, गुरू एवं आचार्य के मार्गदर्शन में जीवन की राह पर सार्थक दिशा में बढ़ रहे हैं.

कृष्ण माखन नहीं, मन चुराने वाला

भक्तों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए भाईजी ने कहा कि कृष्ण माखन चोर नहीं थे . संस्कृत में नवनीत का एक अर्थ मन भी होता है . कृष्ण माखनचोर नहीं मन को चुराने वाले थे . मन भी ऐसा, जो शुद्ध, सात्विक और अन्य अपेक्षाओं से मुक्त होगा, तभी भगवान उसको चुराएंगे . एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि प्राणी शास्त्र के अनुसार राम नाम का उच्चारण करने से मस्तिष्क में नायट्रिक आक्साईड नामक रसायन बनता है, जो बूढ़े लोगों के लिए श्वांस लेने में फायदेमंद होता है . यह एक चिकित्सकीय और विज्ञान सम्मत तथ्य है कि राम नाम के उच्चारण से लोगों को कई तरह के लाभ होते हैं .

ये विचार हैं प्रख्यात संत, ब्रह्मऋषि किरीट भाईजी के, जो उन्होंने शनिवार को तुलसी परिवार इंदौर के तत्वावधान में साउथ तुकोगंज स्थित जाल सभागृह में गुरू पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित सत्संग, मनोरथ आरती, संकीर्तन, गुरू दीक्षा, प्रश्नोत्तरी, ठाकुरजी के स्नान एवं आरती सहित विभिन्न कार्यक्रमों में व्यक्त किए. इस अवसर पर उज्जैन, धार, देवास, खरगोन, खंडवा सहित आसपास के जिलों के भक्त भी मौजूद थे. प्रारंभ में तुलसी परिवार की ओर से संजय सोनी, मीतेश जोशी, सुनील मालू, उमेश नीमा, प्रहलाद सिंघल आदि ने दीप प्रज्वलित कर इस उत्सव का शुभारंभ किया. भाईजी का स्वागत करने के लिए राज्य के अनेक जिलों से श्रद्धालु और शिष्य आए थे, इनमें से जयप्रकाश भुराड़िया, सुनीता पिल्लई, आशा भटनागर, शरद दुबे, कैलाश मांडरे, मधु राजेश गुप्ता, दीपक पाटीदार आदि प्रमुख थे. संचालन संजय सोनी ने किया और आभार माना सुनील मालू ने.